राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 31 जुलाई • 2024

# ग्रामीण युवाओं व पशुपालकों के लिये बकरी पालन फायदेमंद

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों/युवतियों एवं पशुपालकों के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर आयोजित पांच दिवसीय (26 से 30 जुलाई) प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। केंद्र प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरी करके मूल्यांकन किया। साथ ही बताया कि बकरी पालन व्यवसाय में नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं।

केंद्र के पशु वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, आवास के लिए प्रमुख बातें, आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव विषय पर जानकारी प्रदान की। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास, दीनानाथ घास, सुबबूल, घरेलू स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में पशु वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने बताए गए तकनीकियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बकरी पालन पर साहित्य उपलब्ध कराया। उन्होंने बकरियों में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव व टीकाकरण तथा टीकाकरण के महत्व विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रिया गौतम, सीमा देवी, सहज जीत सिंह, विपिन कुमार, नीरज शुक्ला सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 74.755g
चांदी 91.150kg
सेंसेक्स 79,441.45

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 प्रकृति, शिव और समाज से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

मै जाह्नवी और खुशी जितनी

वर्ष :10 अंक :180 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , बुधवार 31 जुलाई 2024 पृष्ठ : 08

# ग्रामीण नवयुवकों/नवयुवतियों एवं पशुपालकों हेतु बकरी पालन लाभकारी व्यवसायः डा. शशि कांत

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर , सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों/युवतियों एवं पशुपालकों के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ( 26 से 30 जुलाई 2024 ) प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। केंद्र प्रभारी ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्रश्नोत्तरी करके मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपना कर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, जनपद के लिए प्रमुख नस्लें, आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव

विषय पर जानकारी प्रदान की। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताए गए

अंक-150 कानपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

# ग्रामीण नवयुवकों व नवयुवतियों एवं पशुपालकों हेतु बकरी पालन लाभकारी व्यवसाय-डा. शशि कांत

**आज का कानपुर**

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों/युवतियों एवं पशुपालकों के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर आयोजित पांच दिवसीय (26 से 30 जुलाई 2024 ) प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। केंद्र प्रभारी ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्रश्नोत्तरी करके मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपना कर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, जनपद के लिए प्रमुख नस्लें,आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव विषय पर जानकारी प्रदान की। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई द्य प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताए गए तकनीकियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बकरी पालन पर साहित्य उपलब्ध कराया। उन्होंने बकरियों में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव एवं टीकाकरण तथा टीकाकरण के महत्व विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रिया गौतम, सीमा देवी, लाल जीत सिंह, बिपिन कुमार, गौरव शुक्ला सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उत्तर प्रदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

विधान सभा में महिला बाल सुरक्षा मामले... 10

परिवहन निगम की बसों में जल्द उपलब्ध होगी... 05

# जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 287
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 31 जुलाई, 2024

# बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर प्रतिभाग करने वालों को दिए प्रमाण पत्र

**जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवक, युवतियों एवं पशुपालकों के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर 26 से 30 जुलाई तक आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मंगलवार को केंद्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। केंद्र प्रभारी ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्रश्नोत्तरी करके मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से बकरी पालन व्यवसाय की नवीनतम तकनीकियों को अपना कर अधिक से अधिक लाभ कमाने की बात कही। केंद्र के पशु वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, जनपद के लिए प्रमुख नस्लें,आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम में बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में पशु वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने बताए गए तकनीकियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बकरी पालन पर साहित्य उपलब्ध कराया।

उन्होंने बकरियों में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव एवं टीकाकरण तथा टीकाकरण के महत्व विषय पर जानकारी दी। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रिया गौतम, सीमा देवी, लाल जीत सिंह, बिपिन कुमार, गौरव शुक्ला सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

# ग्रामीण नवयुवकों नवयुवतियों एवं पशुपालकों हेतु बकरी पालन लाभकारी व्यवसायः डा. शशि कांत

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों युवतियों एवं पशुपालकों के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर आयोजित पांच दिवसीय (26 से 30 जुलाई 2024 ) प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। केंद्र प्रभारी ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्रश्नोत्तरी करके मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपना कर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, जनपद के लिए प्रमुख नस्लें,आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव विषय पर जानकारी प्रदान की। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई द्य प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में पशु

वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताए गए तकनीकियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बकरी पालन पर साहित्य उपलब्ध कराया। उन्होंने बकरियों में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव एवं टीकाकरण तथा टीकाकरण के महत्व विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रिया गौतम, सीमा देवी, लाल जीत सिंह, बिपिन कुमार, गौरव शुक्ला सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हिंदुस्तान

शहर 30s

# सीएसए कुलपति को मानद उपाधि मिली

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह को आस्ट्रेलिया में मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में चांसलर ने डॉ. आनंद कुमार सिंह को डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से सम्मानित किया। उन्हें वैश्विक रूप से हार्टिकल्चर इंडस्ट्री में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह मानद उपाधि दी गई है। यह पहला मौका है, जब विदेश में किसी कृषि विवि के वैज्ञानिक को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया हो।

डिजाइनर आदि पदों पर चयन हुआ। मौके पर राहुल यादव, सुनील द्विवेदी,

अमर उजाला 31/07/2024

(ब्यूरो)

# सीएसए वीसी को आस्ट्रेलिया में मिली मानद उपाधि

कानपुर। वैश्विक रूप से हार्टिकल्चर इंडस्ट्री में उत्कृष्ट योगदान के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह को आस्ट्रेलिया में मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में चांसलर ने डॉ. आनंद कुमार सिंह को डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से सम्मानित किया। यह पहला मौका है जब विदेश में किसी कृषि विवि के वैज्ञानिक को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह की उपलब्धि पर विवि के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी व शिक्षकों ने बधाई दी है। (ब्यूरो)

R.N.I.No-UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

पेज- 6

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्षः 13 | अंक 90 | कानपुर,बुधवार 31 जुलाई 2024 | पृष्ठ:8 | मूल्य

# ग्रामीण नवयुवकों/नवयुवतियों एवं पशुपालकों हेतु बकरी पालन लाभकारी व्यवसाय:डा. शशि कांत

हिन्दुस्तान का इतिहास कानपुर–सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों/युवतियों एवं पशुपालकों के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ( 26 से 30 जुलाई 2024 ) प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। केंद्र प्रभारी ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्रश्नोत्तरी करके मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपना कर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, जनपद के लिए प्रमुख नस्लें,आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव विषय पर जानकारी प्रदान की। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई द्य प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में पशु वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताए गए तकनीकियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बकरी पालन पर साहित्य उपलब्ध कराया। उन्होंने बकरियों में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव एवं टीकाकरण तथा टीकाकरण के महत्व विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रिया गौतम, सीमा देवी, लाल जीत सिंह, बिपिन कुमार, गौरव शुक्ला सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया